



अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आपका स्वागत है!

हिंदी वभाग, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्व विद्यालय, निम्न ल खत प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से:



एम. गोरकी विश्व साहित्य संस्थान, रशियन विज्ञान अकादमी



लियो टॉलस्टॉय संग्रहालय 'यासनाया पॉल्याना', रूस



प्राच्य कला संग्रहालय, मॉस्को



भारत में रूसी संघ का दूतावास, नई दिल्ली



रूसी सांस्कृतिक केंद्र, नई दिल्ली

प्रस्तुत कर रहा है:



हिंदी और रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा



तारीखें: 24 और 25 फरवरी 2025



स्थान: भारती कॉलेज, सी-4, दादा सतराम ममतानी मार्ग, जनकपुरी, नई दिल्ली



## **International Conference: Call For Papers Alert**

The **Department of Hindi**, Bharati College, University of Delhi, in collaboration with renowned organizations like the M. Gorky Institute of World Literature, Leo Tolstoy Estate-Museum 'Yasnaya Polyana,' and others, presents:



### **Concept of Motherland in Hindi & Russian Literature**



**Dates:** 24–25 February 2025



**Venue:** Bharati College, Janakpuri, New Delhi



# हिंदी विभाग भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

सहयोग प्राप्त

एम. गोर्की विश्व साहित्य संस्थान, रशियन विज्ञान अकादमी  
लियो टॉल्स्टॉय संग्रहालय 'यासनाया पॉल्याना', रशिया

प्राच्य कला संग्रहालय, मॉस्को

भारत में रूसी संघ का दूतावास, नई दिल्ली, भारत  
रूसी सांस्कृतिक केंद्र, नई दिल्ली, भारत

द्वारा आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

## हिंदी और रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा

24 & 25 फरवरी 2025

शोध पत्र प्रस्तुति के लिए आमंत्रण

स्थान :

भारती कॉलेज,

सी-4, दादा सतराम ममतानी मार्ग, जनकपुरी, नई दिल्ली, दिल्ली - 110058

## विषय

हिंदी विभाग, भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, हिंदी और रूसी साहित्य की साहित्यिक परंपराओं में "मातृभूमि" की अवधारणा विषय पर एक विद्वतापूर्ण संगोष्ठी की घोषणा करता है। इस संगोष्ठी के माध्यम से, हमारा उद्देश्य उन गहन सांस्कृतिक, भावनात्मक और दार्शनिक संबंधों को उजागर करना है जो विभिन्न साहित्यिक परिदृश्यों में मातृभूमि की हमारी समझ को आकार देते हैं।

यह संगोष्ठी हिंदी और रूसी दोनों साहित्यिक परंपराओं में "मातृभूमि" की अवधारणा को एक केंद्रीय विषय के रूप में उजागर करती है। इन संस्कृतियों द्वारा व्यक्तियों और उनके मातृभूमि, इतिहास और राष्ट्रीय पहचान के बीच के जटिल संबंध को कैसे माना जाता है, इसकी जांच करके, हम देशभक्ति, अपने देश के लिए प्रेम और विस्थापित या प्रवास करने वालों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों के सार्वभौमिक विषयों का पता लगाएंगे। संगोष्ठी का प्रमुख विषय समकालीन दुनिया के इर्द-गिर्द घूमता है, जो राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल से चिह्नित है जिसने वैश्विक राजनीतिक और सुरक्षा परिदृश्य के गहन परिवर्तनों को देखा है। इस भूकंपीय बदलाव ने आधुनिक भारतीय और रूसी लेखकों की साहित्यिक रचनाओं पर एक लंबी छाया डाली है, जो अपने कार्यों में इस विकसित युग की जटिलताओं और चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

मातृभूमि की अवधारणा, राष्ट्रीय पहचान, बलिदान और कर्तव्य का एक शक्तिशाली प्रतीक, रूसी और भारतीय साहित्य दोनों में एक आवर्ती विषय रही है। जबकि अलग-अलग ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों में निहित है, ये साहित्य इस विषय का पता लगाने के लिए एक पड़ताली भावनात्मक प्रतिध्वनि साझा करते हैं। रूसी साहित्य में, मातृभूमि को अक्सर एक मांग करने वाली इकाई के रूप में दर्शाया गया है, जिसके लिए व्यक्तिगत बलिदान की कीमत पर भी अटूट निष्ठा की आवश्यकता होती है। पुश्किन, लेमॉन्टोव और टॉल्स्टॉय जैसे लेखकों ने उदासीन देशभक्ति, आध्यात्मिक संबंध और उत्साही राष्ट्रवाद के विषयों के माध्यम से इस अवधारणा का पता लगाया।

इसके विपरीत, भारतीय साहित्य अक्सर मातृभूमि को पोषण देने वाली "भारत माता" के रूप में दर्शाता है, इसके आध्यात्मिक और पोषण देने वाले पहलुओं पर जोर देता है। टैगोर, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और महात्मा गांधी जैसे लेखकों ने भूमि का सम्मान और पालन करने के पवित्र कर्तव्य का जश्र मनाया, इसे एक मातृवत् आकृति के रूप में देखा जो सम्मान और देखभाल के योग्य है। अंततः, दोनों साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा पहचान, बलिदान और राष्ट्रीय संबंध के विषयों का पता लगाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य करती है, जो भूमि के साथ गहन मानवीय संबंध और हमारी सामूहिक चेतना पर इसके प्रभाव को प्रदर्शित करती है।

## उद्देश्य

यह सम्मेलन रूसी और भारतीय साहित्य में "मातृभूमि" की अवधारणा का पता लगाने का लक्ष्य रखता है। इसलिए, मुख्य फोकस होगा:

1. वैश्विक राजनीतिक और सुरक्षा परिवर्तनों को विश्लेषण करना जो राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल के कारण समकालीन भारतीय और रूसी साहित्य को दर्शाता है।
2. "मातृभूमि" के विषय को गद्य, कविता और नाटकीय कार्यों में प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न तरीकों को पता लगाना।
3. दोनों साहित्यिक परंपराओं की कथाओं में निहित देशभक्ति और सांस्कृतिक विरासत के कोड को समझना।
4. हिंदी और रूसी साहित्य में "मातृभूमि" की अवधारणा की जांच करना, सामाजिक और ऐतिहासिक कारकों पर विचार करना जिन्होंने इसके प्रतिनिधित्व को आकार दिया है।
5. भाषाओं के पार प्रतिध्वनियों का अनावरण करना: दो साहित्यों के बीच अनुवादों का तुलनात्मक विश्लेषण।
6. यह पता लगाना कि साहित्यिक संग्रहालय और पुस्तकालय दोनों भाषाओं की साहित्यिक विरासत की रक्षा कैसे करते हैं।
7. विस्थापन, प्रवास और निर्वासन के धागों को सुलझाना: उनके साहित्यिक प्रतिनिधित्व का तुलनात्मक अध्ययन।

## विषय

1. हिंदी और रूसी साहित्यिक परंपराओं में मातृभूमि के तुलनात्मक अध्ययन
2. राष्ट्रीय पहचान और सांस्कृतिक गौरव का चित्रण
3. कविता, गद्य, लोक कथाओं, नाटक और रंगमंच में प्रेरणा के स्रोत के रूप में मातृभूमि
4. साहित्य में स्मृति, प्रवास और जुड़ाव के प्रतिच्छेदन
5. भारतीय और रूसी संदर्भों में होमलैंड की दार्शनिक व्याख्याएँ
6. आधुनिक और समकालीन साहित्य में मातृभूमि की विकसित आधारणाएँ

## उपविषय

**राष्ट्रवाद:** एक "मातृभूमि" की अवधारणा को "अन्य" के साथ उसके संबंध से कैसे परिभाषित किया जाता है, इसकी जांच करना। "अन्य" की उपस्थिति या अनुपस्थिति राष्ट्रीय पहचान और राष्ट्रवादी भावनाओं को कैसे प्रभावित करती है?

**बलिदान और सहनशीलता:** यह उजागर करना कि कैसे सहनशीलता और कठिनाइयों का सामना करना दमन के खिलाफ प्रतिरोध का एक रूप हो सकता है। यह सहनशीलता व्यक्ति के चरित्र और उसकी मातृभूमि के साथ उसके संबंध को कैसे आकार देती है?

**निर्वासन और विस्थापन:** जांच करना कि कैसे निर्वासन का अनुभव व्यक्तिगत और सामाजिक परिवर्तन का कारण बन सकता है। निर्वासित लोग अपने अनुभवों का उपयोग मौजूदा शक्ति संरचनाओं को चुनौती देने और परिवर्तन की वकालत करने के लिए कैसे करते हैं?

**ऐतिहासिक संदर्भ:** समकालीन साहित्यिक कार्यों के लिए ऐतिहासिक घटनाओं और व्यक्तियों को पृष्ठभूमि के रूप में उपयोग करना, यह पता लगाना कि अतीत वर्तमान को कैसे आकार देता रहता है।

**साहित्य में मातृभूमि:** (विशेषकर हिंदी और रूसी साहित्य में) "मातृभूमि" की अवधारणा का चित्रण

## निम्नलिखित सत्रों के लिए शोध पत्र हिंदी, रूसी और अंग्रेजी में आमंत्रित हैं

### सत्र

गद्य में "मातृभूमि" की अवधारणा  
कविता में "मातृभूमि" की अवधारणा  
लोक कथाओं में "मातृभूमि" की अवधारणा  
नाटक और रंगमंच में "मातृभूमि" की अवधारणा  
तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन  
भाषा और अनुवाद  
साहित्यिक संग्रहालय और पुस्तकालय

### उप-सत्र

#### गद्य साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा:

भारतीय भाषाओं के संदर्भ में साहित्यिक प्रवचन।

टॉल्स्टॉय की कहानियों में नैतिक मूल्य।

हिंदी और रूसी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।

समकालीन हिंदी और रूसी साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा।

#### कविता और गद्य में मातृभूमि की अवधारणा:

मैथिलीशरण गुप्त की कविता में; दिनकर की कविता में देशभक्ति

सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं में मातृभूमि की अवधारणा

अज्ञेय की कविता में राष्ट्र का विचार

#### नाटक और रंगमंच में मातृभूमि की अवधारणा:

भारतेंदु के नाटकों में राष्ट्र का विचार। जयशंकर प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय चेतना।

जगदीश चंद्र माथुर के नाटकों में राष्ट्रवाद।

असगर वजाहत के नाटकों में राष्ट्रवाद का विचार। राष्ट्र निर्माण में रंगमंच का योगदान।

आधुनिक रंगमंच में मातृभूमि की अवधारणा। पारंपरिक रंगमंच में मातृभूमि की अवधारणा।

#### हिंदी और रूसी भाषाओं के बीच एक सेतु के रूप में अनुवाद की अवधारणा:

हिंदी और रूसी साहित्य में भाषाई संरचना। हिंदी और रूसी साहित्य में अनुवाद की परंपरा।

कविता अनुवाद। गद्य अनुवाद।

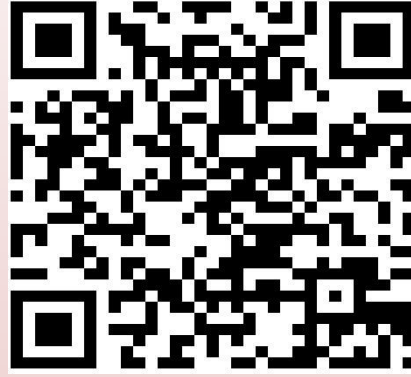
## महत्वपूर्ण तिथियाँ

सार प्रस्तुति की अंतिम तिथि	25 जनवरी 2025
सार स्वीकृति की अधिसूचना	27 जनवरी 2025
पूर्ण शोध पत्र प्रस्तुति की अंतिम तिथि	10 फरवरी 2025
संगोष्ठी तिथि	24 और 25 फरवरी 2025

## प्रस्तुति दिशानिर्देश

पंजीकरण और सारांश प्रस्तुत करने के लिए कृपया निम्नलिखित लिंक या स्कैन कोड का उपयोग करें:

<https://forms.gle/MHK6rZDyCECzq23m8>



### महत्वपूर्ण:

गूगल फॉर्म भरने पर प्रतिभागियों से 300 रुपये का नाममात्र पंजीकरण शुल्क लिया जाएगा। लेखकों को यह गारंटी देनी होगी कि उनके प्रस्तुतीकरण मूल, अप्रकाशित कार्य हैं और अन्यत्र प्रकाशन के लिए विचाराधीन नहीं हैं। उन्हें यह भी पुष्टि करनी चाहिए कि उनके योगदान किसी अन्य के कॉपीराइट, ट्रेडमार्क या बौद्धिक संपदा अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते हैं।

**Bank account details for the google form registration (Please mention 'FOR CMHRL')**

9266347379@ptaxis for upi

**Punjab National Bank  
Branch C4, Janakpuri, Bharati College,  
New Delhi 110058 AC no 4952000100015368  
IFSC code PUNB 0495200**



## आयोजन समिति

### निदेशक

प्रो. (डॉ.) सलोनी गुप्ता

### संयोजक

डॉ. सविता जैमिनी एवं डॉ. गिरीश मुंजाल

### सह-संयोजक

डॉ. अभिषेक पुनीत

### सदस्य, मूल समिति

डॉ. रेखा शर्मा एवं डॉ. प्रत्यय अमृत

### अकादमिक समिति

प्रो. अनीता सिंहमार, प्रो. मंजु शर्मा, प्रो. संगीता रानी एवं डॉ. प्रेम कुमारी सिंह

### सदस्य और अकादमिक सलाहकार, रूस से आयोजन समिति

श्रीमती एकातेरिना टॉल्स्टॉय, श्री व्लादिमीर टॉल्स्टॉय

डॉ. गैलिना अलेक्सीवा

श्रीमती यूलिया अरयावा, डॉ. ऐलेना रेमिज़ोवा, एकटेरियन दिनयक

प्रो. वादिम पोलॉन्स्की

प्रो. एकातेरिना दिमित्रीवा, प्रो. मरीना एरियास-विकहिल

डॉ. अलेक्जेंडर सेडोव

डॉ. इल्या वी. ज़ैत्सेव, डॉ. बोरिस इओगान्सन

### सांस्कृतिक कार्यक्रम सहयोग प्रयाप्तः

रशियन हाउस फाउंडेशन, दिल्ली एवं संगीत विभाग, भारती महाविद्यालय

### संपर्क सूचना

प्रस्तुतियों, पंजीकरण या सामान्य जानकारी के संबंध में किसी भी पूछताछ के लिए, कृपया  
सेमिनार आयोजन समिति से संपर्क करें:

Email: [hindirusconference@gmail.com](mailto:hindirusconference@gmail.com)

or message to 9654331777 / 9810033877.





**Department of Hindi,  
Bharati College,  
University of Delhi, India**

**in collaboration with**

**M. Gorky Institute of World Literature  
Russian Academy of Sciences,  
Leo Tolstoy Estate-Museum 'Yasnaya Polyana', Russia,  
Museum of Oriental Arts, Moscow, Russia  
Embassy of the Russian Federation in New Delhi, India  
Russian House in New Delhi**

**is organizing**

*An International Conference on*  
**Concept of Motherland in  
Hindi & Russian Literature**

**CALL FOR PAPERS**

**Dates:**

**24 & 25 February 2025**

**Venue:**

**Bharati College, University of Delhi, India**  
C-4, Dada Satram Mamtani Marg, Janakpuri, New Delhi, 110058, India

## Concept-Note

The Department of Hindi, Bharati College, University of Delhi announces a unique scholarly exploration of the concept of "Motherland" in the literary traditions of Hindi and Russian literature. Through this conference, we aim to delve into the profound cultural, emotional, and philosophical connections that shape our understanding of the Motherland in diverse literary landscapes.

This Conference delves into the concept of "Motherland" as a central theme in both Hindi and Russian literary traditions. By examining how these cultures perceive the intricate relationship between individuals and their homeland, history, and national identity, we will explore the universal themes of patriotism, love for one's country, and the challenges faced by those who are displaced or migrate. The major theme of the conference revolves around the contemporary world, marked by political and social turmoil that has witnessed a profound transformation of the global political and security landscape. This seismic shift has cast a long shadow on the literary creations of modern Indian and Russian writers, who grapple with the complexities and challenges of this evolving era in their works.

The concept of the Motherland, a potent symbol of national identity, sacrifice, and duty, has been a recurring theme in both Russian and Indian literature. While rooted in distinct historical and cultural contexts, these literatures share a striking emotional resonance when it comes to exploring this theme. In Russian literature, the Motherland is often depicted as a demanding entity, requiring unwavering allegiance, even at the cost of personal sacrifice. Writers like Pushkin, Lermontov, and Tolstoy explored this concept through themes of melancholic patriotism, spiritual connection, and fervent nationalism.

In contrast, Indian literature frequently personifies the Motherland as the nurturing "Bharat Mata," emphasizing its spiritual and nurturing aspects. Authors like Tagore, Bankim Chandra Chattopadhyay, and Mahatma Gandhi celebrated the sacred duty of honoring and cherishing the land, viewing it as a maternal figure deserving of reverence and care. Ultimately, the concept of the Motherland in both literatures serves as a powerful tool for exploring themes of identity, sacrifice, and national belonging, demonstrating the profound human connection to the land and its impact on our collective consciousness.

## Objectives

This Conference aims to explore the concept of "Motherland" in Russian and Indian literature. Therefore, the main focus will be:

- ◇ To analyze how contemporary Indian and Russian literature reflects global political and security changes caused by political and social turmoil.
- ◇ To explore the diverse ways the theme of "Motherland" is represented in prose, poetry, and dramatic works.
- ◇ To decipher the code of patriotism and cultural heritage embedded within the narratives of both literary traditions.
- ◇ To examine the concept of "Motherland" in Hindi and Russian literature, considering the social and historical factors that have shaped its representation.
- ◇ To unveil the echoes across languages: A comparative analysis of translations between the two literatures.
- ◇ To explore how the Literary Museums and Libraries safeguard the literary heritage of both languages.
- ◇ To unravel the threads of displacement, migration, and exile: A comparative study of their literary representations.

## Themes

The following are the main themes.

However, papers are welcome on related themes too.

- ◆ Comparative studies of Motherland in Hindi and Russian literary traditions
- ◆ Depictions of national identity and cultural pride
- ◆ Motherland as a source of inspiration in poetry, prose, folk narratives, drama and theatre
- ◆ Intersections of memory, migration, and belonging in literature
- ◆ Philosophical interpretations of homeland across Indian and Russian contexts
- ◆ Evolving notions of Motherland in modern and contemporary literature

## Sub-themes

**Nationalism:** To examine how the concept of a "homeland" is defined by its relationship to the "other." How does the presence or absence of an "other" influence national identity and nationalist sentiments?

**Sacrifice and Endurance:** To highlight how enduring hardship and suffering can be a form of resistance against oppression. How does this endurance shape the individual's character and their relationship with their homeland?

**Exile and Displacement:** To examine how the experience of exile can lead to personal and societal transformation. How do exiles use their experiences to challenge existing power structures and advocate for change?

**Historical Context:** To use historical events and figures as a backdrop to contemporary literary works, exploring how the past continues to shape the present.

**Motherland in Literature:** Portrayal of the concept of 'Motherland' in Indian (especially Hindi) and Russian Literature.

**Papers are invited in Hindi, Russian & English  
for the following Sessions:**

**Concept of Motherland in Fiction Literature:**

Literary discourse in the context of Indian languages.

Ethical Values in Tolstoy's stories.

Comparative study of Hindi and Russian literature.

Concept of motherland in the contemporary Hindi and Russian literature.

**Concept of Motherland in Poetry and prose:**

In the poetry of Maithili Sharan Gupt

Patriotism in the poetry of Dinkar

Concept of motherland in the poems of Subhadra Kumari Chauhan

Idea of the nation in the poetry of Agyeya

**Concept of Motherland in Drama and Theatre:**

Idea of the nation in Bharatendu's plays.

National consciousness in the plays of Jaishankar Prasad

Nationalism in the plays of Jagdish Chandra Mathur.

Idea of nationalism in the plays of Asghar Wajahat

Contribution of theatre to Nation-building

Concept of Motherland in Modern theatre

Concept of Motherland in Traditional theatre

**Comparative Literary Studies**

**Literary Museums & Libraries**

**&**

**Language & Translation**

**Concept of Translation as a Bridge between Hindi and Russian  
Languages:**

Linguistic Structure in Hindi and Russian literature.

Tradition of Translation in Hindi and Russian literature.

Poetry translation.

Prose translation.

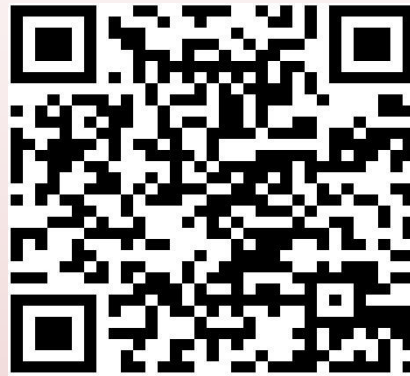
## Important Dates

Deadline for Abstract submission	<b>25 January, 2025</b>
Notification of Abstract Acceptance	<b>27 January, 2025</b>
Deadline for full paper submission	<b>10 February, 2025</b>
Conference Dates	<b>24<sup>th</sup> and 25<sup>th</sup> February 2025</b>

## Submission Guidelines

Please use the following link or Scan code for Registration & Abstract Submission:

<https://forms.gle/MHK6rZDyCECzq23m8>



## Important:

**A nominal registration fee of Rs. 300** is required from participants upon completing the Google form. The Authors must guarantee that their submissions are original, unpublished works and not under consideration for publication elsewhere. They must also affirm that their contributions do not violate any copyright, trademark, or intellectual property rights of others.

**Bank account details for the google form registration (Please mention 'FOR CMHRL')**

9266347379@ptaxis for upi

**Punjab National Bank  
Branch C4, janakpuri, Bharati college New  
Delhi 110058 AC no 4952000100015368  
IFSC code PUNB 0495200**



CMHRL-International Conference

## Organizing Committee

### Director:

Prof. (Dr.) Saloni Gupta

### Convenors:

Dr. Savita Jemini & Dr. Girish Munjal

### Co-Convenor:

Dr. Abhishek Puneet

### Members, Core-Committee:

Dr. Rekha Sharma and Dr. Pratyay Amrit

### Academic Committee

Prof. Anita Sihmar, Prof. Manju Sharma Prof. Sangeeta Rani &  
Dr. Prem Kumari Singh

## Members & Academic Advisors from Russia

Mrs. Ekaterina Tolstoy, Mr. Vladimir I. Tolstoy  
Dr. Galina Alekseeva

Prof. Vadim Polonskiy, Prof. Ekaterina Dmitrieva  
Prof. Marina Arias-Vikhil

Mrs. Yulia Aryaeva, Dr. Elena Remizova  
Ms. Ekaterina Dyniak

Dr. Alexander Sedov, Dr. Ilya V. Zaitsev  
Dr. Boris Ioganson

### Our Cultural Partners:



Russian House Foundation, Delhi &  
Department of Music, Bharati College

For any inquiries regarding submissions, registration, or general information, please contact the seminar organizing committee at  
Email: [hindirusconference@gmail.com](mailto:hindirusconference@gmail.com)  
or message to 9654331777 / 9810033877.